व्यावसायिक शिक्षा विभाग में लिपिकों के 80% पदों पर ही होगी सीधी भर्ती

कर्मचारियों को प्रोन्नति देकर भरे जाएंगे शेष 20 फीसदी पद

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। व्यावसायिक शिक्षा विभाग में अब लिपिकों के 80 फीसदी पदों पर ही सीधी भर्ती होगी। शेष 20 फीसदी पद प्रमोशन से भरे जाएंगे। व्यावसायिक शिक्षा परिषद ने लिपिकीय संवर्ग सेवा की विसंगतियों को दूर करने के लिए इसके ढांचे को पुनर्गठित करने का प्रस्ताव किया है। इसका सर्वाधिक फायदा समूह 'घ' के उन कर्मचारियों को होगा, जो काफी समय से प्रोन्नति का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, सरकार के इस फैसले से लिपिक संवर्ग के पदों पर भर्ती के रास्ते भी खुलेंगे।

पदनाम के साथ ही बदल जाएगा वेतन बैंड

पुनर्गठित ढांचे में कनिष्ठ लिपिक जहां कनिष्ठ सहायक के नाम से जाने जाएंगे, वरिष्ठ लिपिकों का पदनाम वरिष्ठ सहायक होगा। पदनाम बदलने के साथ ही इनके वेतन बैंड में वृद्धि की जाएगी। व्यावसायिक शिक्षा परिषद में कनिष्ठ सहायक के लिए वेतन बैंड 1900 से बढ़ाकर 2000 और पदों की संख्या 12 से बढ़ाकर 15 करने का प्रस्ताव है। वरिष्ठ सहायक के लिए वेतन बैंड 2400 को बढ़ाकर 2800 और पदों की संख्या भी 3 से 5 की जाएगी। वरिष्ठ सहायक के स्थान पर प्रधान सहायक होंगे और इनका वेतन बैंड 2800 के स्थान पर 4200 होगा, जबकि वरिष्ठ गोपनीय सहायक का पदनाम खत्म हो जाएगा। कार्यालय अधीक्षक ग्रेड-2 के पद को प्रशासनिक अधिकारी का दिया गया है और इसके लिए 4200 के स्थान पर 4600 वेतन बैंड निर्धारित किया गया है।

बता दें, परिषद के लिपिकीय संवर्ग सेवा के पदों के निर्धारण में कई तरह की विसंगतियां थीं और सभी पद सीधी भर्ती के थे। इस वजह से समूह 'घ' के कर्मचारियों को लिपिकीय संवर्ग के पदों पर प्रोन्नति नहीं हो पा रही थी। इसलिए समूह 'घ' के कर्मचारी भी काफी दिनों से संवर्ग के पुनर्गठन की मांग कर रहे थे।